STEPPING STONE SCHOOL (HIGH)

Class-lll

Sub-2nd Lang(Hindi)

Worksheet – 21

Date-16.06.2020

Time Limit-30mins

बच्चों, ध्यान दें, अब से आप लोग जो भी कार्य करेंगे वह कागज पृष्ठ के स्थान पर एक सिंगल लाइन कॉपी में लिखेंगे, डेट और वर्कशीट मेंशन करना ना भूले।

आप लोगों को पाठ 2 घोंसला– का जो अंश भेजा जा रहा है उसे ध्यान से पढ़िए और रेखा अंकित किए गए वर्तनी को उतारिए।

2 घोंसला

हमारी तरह गौरैयाँ भी अपने रहने के लिए घर बनाती हैं। एक छोटी-सी चिड़िया भी तिनका-तिनका ढूँढ़कर अपना घोंसला तैयार करती है। वह हमें सीख देती है कि धीरे-धीरे ही सही, हमें अपना काम खुद करना चाहिए।

लगातार आती हुई आवाज़ें सुनकर दीपक ने ऊपर देखा। दो गौरैयाँ स्विच बोर्ड के ऊपर घोंसला बना रही थीं। वह बहुत खुश हुआ क्योंकि छुट्टियों के कारण वह अकेले बैठे-बैठे ऊब रहा था। घर में उसके साथ खेलने वाला कोई नहीं था। सिर्फ़ शाम को ही वह बाहर जाकर खेल सकता था।

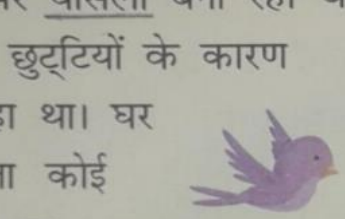

उसने फ़ैसला किया कि वह उन्हें अपना मित्र बनाएगा। उसने नर गौरैया का नाम रोमी और मादा गौरैया का नाम रीना रख दिया और देखने लगा कि वे किस तरह घोंसला बनाती हैं।

वे दोनों घास-फूस या पंख अपनी चोंच में ले आतीं और

उन्हें स्विच बोर्ड में तथा उसके आसपास की दरारों में फँसा देतीं। लेकिन अधिकतर घास गिर जाती या पंख उड़ जाते। शाम को दीपक घास-फूस और पंख बटोरकर बाहर फेंक देता।

उसे बहुत दुख हुआ कि इतनी मेहनत करने के बाद भी रोमी और रीना अपना घर नहीं बना सकीं। यही सोचते-सोचते उसे नींद आ गई कि कहीं ऐसा न हो कि दिन भर की मेहनत बेकार चले जाने पर वे दूसरे दिन आएँ ही नहीं।

लेकिन दूसरे दिन सुबह उसने उन्हें फिर अपने काम में जुटे देखा। रोमी और रीना बेहद शोर मचा रही थीं। वह समझ नहीं पाया कि वे क्या बातें कर रही हैं। फ़र्श पर बहुत ज़्यादा घास-फूस और पंख बिखरे पड़े थे। शायद वे यह सोच रही थे कि यहाँ पर घोंसला बनाया जाए या नहीं।

दीपक को लगा कि उन दोनों ने यह फ़ैसला किया है कि अगर शाम तक घोंसला बन गया तो ठीक, नहीं तो वे दूसरी जगह चली जाएँगी।

दीपक यह सोचकर बड़ा दुखी हुआ। उसने माँ से जाकर कहा, "माँ, ये पक्षी शायद यहाँ नहीं रहेंगे। "क्यों?" माँ ने पूछा।

"वे यहाँ घोंसला नहीं बना पा रहे हैं" दीपक ने बताया।

सारांश :

बच्चों , पक्षी अपना घोंसला बड़े ही मेहनत से बनाते हैं पक्षी सूखे तिनको से अपना घोंसला बनाती है। एक बार दो गौरैया दीपक के घर के स्विच बोर्ड में अपना घोंसला सूखे तिनको से बनाने की कोशिश करती है, परंतु जगह छोटी होने के कारण सूखे तिनके और पंख बार-बार गिर जाते थे। दीपक ने दोनों गौरैया के नाम रोमी और रीना रखा था। दोनों गौरैया बहुत ही मेहनत करते हैं परंतु फिर भी उनकी मेहनत की बार-बार बेकार जा रही थी।इससे दीपक बहुत निराश हो गया था। वह उन दोनों पक्षियों के लिए कुछ करना चाहता था।